कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email-govtgirlspgcollege@gmail.com
Website: https://govtgirlspgcollegedurg.ac.in
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक : 10.05.2023

//प्रेस विज्ञप्ति//

गर्ल्स कॉलेज में

टैगोर जयंती

शास. डॉ. वा.वा पाटणकर कन्या स्ना. महाविद्यालय में अंग्रेजी विभाग के तत्वाधान में गुरूदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर जी के जन्म दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में रवीन्द्र नाथ टैगोर जयंती जी के तस्वीर में माल्यर्पण किया गया तत्पश्चात् बच्चों के द्वारा बनाए गए पोस्टरों का अवलोकन किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस अवसर पर विद्यार्थियों के मेहनत की सराहना करते हुए उनको बधाई दी एवं उन्होनें टैगोर जी के साहित्य के विषय में सविस्तार बताया।

महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने बताया कि रवीन्द्र नाथ टैगोर जी किस तरह से शांति निकेतन से जुड़े हुए थे और उनकी रचनाएँ किस भाव की हुआ करती थीं।

डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. यास्मीन फातिमा परवेज एवं डॉ. मंजूलता साव ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

पोस्टर प्रतियोगिता में कु. रिया बारले(बी.ए.–तृतीय) ने प्रथम स्थान, कु. प्रिया चंद्राकर (एम.ए.–द्वितीय सेम.) एवं कु. खुशबू (एम.ए.–द्वितीय सेम.) ने तृतीय स्थान तथा निबन्ध प्रतियोगिता में कु. घनश्यामला साहू (एम.एससी. –चतुर्थ सेम.) ने प्रथम, कु. प्रेक्षा यादव (बी.ए. –प्रथम) ने द्वितीय एवं कु. यानिशा (एम.ए.–द्वितीय सेम.) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष श्रीमती वंदना ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विभाग के सहायक प्राध्यापक कु. मधु पाण्डेय, श्री रूपेश कुमार एवं वर्षा त्रिपाठी का विशेष सहयोग रहा।

समाचार के रुप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या
स्नात. महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

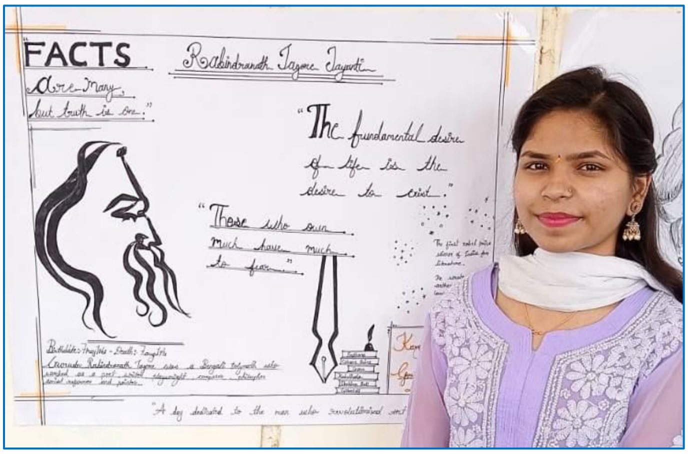
FACTS
Rabindranath Tagore Jayanti
Are Many but truth is one."
"The fundamental desire of life is the desire to exist."
"Those who own much have much to fear."

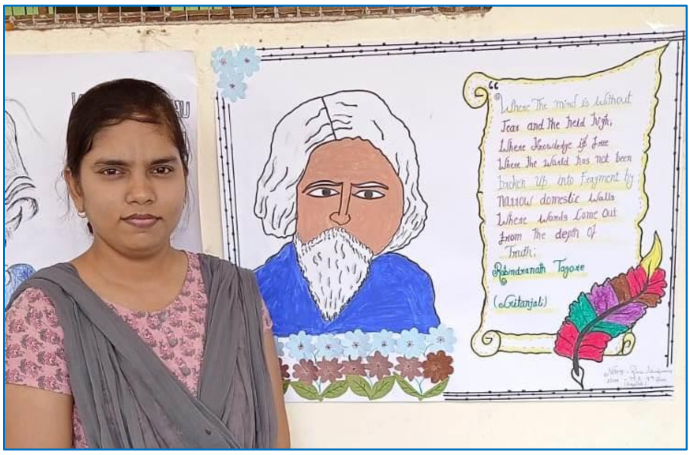
"Where the mind is without fear and the head high,
Where knowledge is free
Where the world has not been broken up into fragment by narrow domestic walls
Where words come out from the depth of truth;
Rabindranath Tagore
(Gitanjali)

"Every child Comes with the message that GOD is not yet Discouraged of man...."
Happy Rabindra Jayanti

RABINDRANATH TAGORE JAYANTI
He gave a new dimension to the Indian literature.